



اَنَامِلِ نَبِيِّ الْعَالَمِ وَعَلَىٰ بَابِهَا

इमामिया मकातिब शिक्षाक्रम

इमामिया दानियात

कत्ता नर्सरी

प्रकाशित

तनज़ीमुल मकातिब
बिजनौर ज़ि० लखनऊ

* बेइस्मेही सुबहानहू *

इमामिया कीनियात

प्रकाशक :

तनज़ीमुल-मकातिब

प्रधान कार्यालय :

(बिजनौर लखनऊ)

प्रथम बार—१०,०००

मूल्य

अध्यापक को चाहिये कि बाल-कक्षा
के

विद्यार्थियों को यह पुस्तक
ज़बानी याद करायें ।

सूरे और अज्ञान इत्यादि बिल्कुल
ठीक (सहीह) याद करायें ।

—संस्था

(३)

पहला पाठ

बिसमिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहोम ।

(प्रारम्भ करता हूँ अल्लाह के नाम से
जो बड़ा दयालु और मेहरबान है ।)

ला इलाहा इल्लल्लाहो मुहम्मदुर्रसूलु-
ल्लाह । अलीयुन वलीयुल्लाहे व वसीयो
रसूलिल्लाहे व खलीफतुह बिला फस्त ।

(अल्लाह के अतिरिक्त कोई खुदा नहीं, मुहम्मद अल्लाह के
रसूल हैं । अली अल्लाह के दोस्त और रसूल के बिला
फ़ासिला वसी और जानशीन हैं ।

सलवात्

अल्ला-हुम्मा स्वल्ले अला मुहम्मदिव व आले मुहम्मद ।

(४)

दूसरा पाठ

उसूले दीन

अर्थात्

दीन की जड़ें

पाँच हैं

पहले

तौहीद

दूसरे

अदूल

तोसरे

नुबूवत

चौथे

इमामत

पाँचवें

क्रियामत

(५)

तीसरा पाठ

फुरूए दीन

अर्थात्

दीन की शाखाएं

दस हैं

पहले	नमाज़
दूसरे	रोज़ह
तीसरे	हज
चौथे	ज़कात्
पाँचवें	खुमुस
छठे	जिहाद
सातवें	अम्र-बिल-मारूफ (अर्थात् नेकी की हिदायत करना)
आठवें	नही-अनिल मुनकर (अर्थात् बुराई से रोकना)
नवें	तवल्ला (अर्थात् खुदा, रसूल और इमामों से प्रेम करना)
दसवें	तबर्रा (अर्थात् खुदा, रसूल और इमाम के दुश्मनों से नफरत करना)

(६)

चौथा पाठ

बारह इमामों के नाम

पहले इमाम	हज़रत अली अलैहिस्सलाम
दूसरे इमाम	हज़रत हसन अलैहिस्सलाम
तीसरे इमाम	हज़रत हुसैन अलैहिस्सलाम
चौथे इमाम	हज़रत जैनुल आबेदीन अलैहिस्सलाम
पाँचवें इमाम	हज़रत मुहम्मद बाकिर अलैहिस्सलाम
छठे इमाम	हज़रत जाफ़र सादिक अलैहिस्सलाम
सातवें इमाम	हज़रत मूसा काज़िम अलैहिस्सलाम
आठवें इमाम	हज़रत अली रज़ा अलैहिस्सलाम
नवें इमाम	हज़रत मुहम्मद तकी अलैहिस्सलाम
दसवें इमाम	हज़रत अली नकी अलैहिस्सलाम
ग्यारहवें इमाम	हज़रत हसन अस्करी अलैहिस्सलाम
बारहवें इमाम	हज़रत महदी आखिरुज्जमाँ अलैहिस्सलाम
	अल्ला-हुम्मा स्वल्ले अला मुहम्मदिव व आले मुहम्मद ।

(७)

पाँचवां पाठ

अल्लाह	एक है
पंजतन	पाँच हैं
इमाम	बारह हैं
मासूम	चौदह हैं
नबी	एक लाख चौबीस हजार हैं
रसूल	तीन सौ तेरह हैं
बड़े रसूल	पाँच हैं
आसमानी ग्रन्थ	चार हैं
करबला के शहीद	बहत्तर हैं

(८)

बठा पाठ



अल्लाह ?	हमारा खुदा है
हजरत मुहम्मद मुस्तफा ?	हमारे रसूल हैं
इसलाम ?	हमारा दीन (धर्म) है
कुरआन ?	हमारी किताब (ग्रन्थ) है
काबह ?	हमारा क़िबला है
बारह इमाम ?	हमारे रहबर हैं
अलम ?	हमारा मज़हबी निशान (धार्मिक चिन्ह) है
मुहब्बते अहलेबैत ? (अहलेबैत से प्रेम)	हमारी पहचान है
हम ?	शीअह-इसना अशरी हैं ।



(६)

सातवाँ पाठ

- नमाज़ :—रोज़ाना पाँच बार वाजिब (अनिवार्य) है
- रोज़ह :—रमज़ान के महीने में वाजिब है
- हज :—पूरी आयु में एक बार वाजिब है
- ज़कात :—नौ चीज़ों (वस्तुओं) पर वाजिब है
- खुमूस :—सात चीज़ों पर वाजिब है
- जिहाद :—के लिए इमाम की इजाज़त वाजिब है
- नेकी की हिदायत करना :—हर मुसलमान पर वाजिब है
- बुराई से रोकना :—हर मुसलमान पर वाजिब है
- हम :—अहलेबैत के प्रेमी हैं
- और
- उनके दुश्मनों से नफ़रत करते हैं ।
-

(१०)

आठवाँ पाठ

बिसमिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम

अलहम्दो लिल्लाहे रब्बिल आलमीन ।

अर्रहमा-निर्रहीम । मालिकी यौमिद्दीन ।

ईया-क-नाबुदो व ईया-क-नस्तईन ।

एहदिनस्सेरातल मुस्तकीम । सिरातल

लज़ीना अन-अमता अलैहिम गैरिल

मगज़ूबे अलैहिम वलज़्ज़ाल्लीन ।

(११)

नवाँ पाठ

विसमिल्ला-हिरहमा-निरहीम

कुल होवल्लाहो अहद । अल्लाहुस्समद ।

लम-यलिद । व लम यूलद । वलम

यकुल्लहू को-फोवन अहद ।

(१२)

दसवाँ पाठ

बिसमिल्ला-हिरहमा-निरहीम

इन्ना आतैनाकल कौसर ।

फ़स्वल्ले लेरब्बेका वनहर ।

इन्ना शाने-अका होवल अवतर ।

(१३)

ग्यारहवाँ पाठ

बिसमिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम

इज़ा जा-अ नसरुल्लाहे वल फ़तहो ।
व-र-ऐतन्नासा यदख़ुलूना फ़ी
दीनिल्लाहे अफ़वाजा । फ़सब्बेह
बेहम्दे रब्बेका वसतग़फ़िरहो
इन्नहू काना तब्बाबा ।

(१४)

बारहवाँ पाठ

बिसमिल्ला-हिरहमा-निरहीम

इन्ना अनजलनाहो फी लैलतिल कद्र ।

व-मा-अदराका मा लैलतुल कद्र ।

लैलतुल कद्रे खैरुम-मिन अल्फे

शहर । तनज्जलुल मलाएकतो वरूहो

फीहा बे-इज़ने रब्बेहिम मिन कुल्ले

अमरिन सलाम । हिया हत्ता मतलइल

फ़ज़्र ।

(१५)

तेरहवाँ पाठ

अज्ञान

अल्लाहो अकबर	चार बार
अशहदो अल्ला इलाहा इल्लल्लाह	दो बार
अशहदो अन्ना मुहम्मदरसूलुल्लाह	दो बार
अशहदों अन्ना अलीयन वली-युल्लाहे व वसीयो	
रसूलिल्लाहे व खलीफतुहू बिला फ़स्त ।	दो बार
हय्या अलस्सलाह	दो बार
हय्या अलल फ़लाह	दो बार
हय्या अला खैरिल अमल	दो बार
अल्लाहो अकबर	दो बार
ला-इलाहा इल्लल्लाह	दो बार

(१६)

चौदहवां पाठ

एकामत

अल्लाहो अकबर	दो बार
अशहदो अल्ला इलाहा इल्लल्लाह	दो बार
अशहदो अन्ना मुहम्मदर रसूलुल्लाह	दो बार
अशहदो अन्ना अलीयन वलीयुल्लाहे व वसीयो	
रसूलिल्लाहे व ख़लीफ़तुह बिना फ़स्ल	दो बार
हय्या अलस्सलाह	दो बार
हय्या अलल फ़लाह	दो बार
हय्या अला ख़ैरिल अमल	दो बार
क़द क़ामतिस्सलाह	दो बार
अल्लाहो अकबर	दो बार
ला इलाहा इल्लल्लाह	एक बार